राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के समय याद रखने

1–19 साल के सभी बच्चों/किशोर/किशोरियों को कृमि नियंत्रण की दवाई (एल्बेंडाजॉल) सभी स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर निःशुल्क खिलाई जाएगी। गैर–पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को भी यह दवाई नज़दीकी आंगनवाड़ी केन्द्र में खिलवाएं।

★ पीने के लिए साफ पानी और गिलास

आयु	खुराक	एल्बेंडाजॉल खिलाने का तरीका
1–2 साल	आधी एल्बेंडाजोल 400 mg (चबाने वाली दवाई)	1–2 साल के बच्चों को आधी दवाई खिलाएं। दवाई को दो चम्मच के बीच रखकर पूरी तरह चूरा करें और पीने के पानी में मिलाकर ही खिलाएं।
2–3 साल	पूरी एल्बेंडाजोल 400 mg (चबाने वाली दवाई)	2–3 साल के बच्चों को एक पूरी दवाई खिलाएं। दवाई को दो चम्मच के बीच रखकर पूरी तरह चूरा करें और पीने के पानी में मिलाकर ही खिलाएं।
3–19 साल	पूरी एल्बेंडाजोल 400 mg (चबाने वाली दवाई)	• 3–19 साल के बच्चों और किशोर/किशोरियों को हमेशा दवाई चबा कर खाने की सलाह दें। • बिना चूरा या चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव महत्वपूर्ण रूप से कम हो सकता है। • पीने का पानी साथ रखें।

महत्वपूर्ण निर्देश-

★ जो बच्चे बीमार हैं या कोई दवाई ले रहे हैं, उन्हें एल्बेंडाजॉल दवाई नहीं खिलाई जाएगी

प्रतिकूल घटना (दुष्प्रभाव) का प्रबंधन

★ कुछ बच्चों के शरीर में कृमि के कारण मामली दुष्प्रभाव जैसे जी मिचलाना, उल्टी, दस्त, पेट में हल्का दर्द और थकान अनुभव होने की संभावना हो सकती हैं। यह दुष्प्रभाव अस्थायी होते हैं और आम तौर पर आसानी से संभाले जा सकते हैं

★ अगर बच्चे को मामूली दुष्प्रभाव हो तो उसे खुली व छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें और अपनी निगरानी में रखें

★ एल्बेंडाजॉल आसानी से चबा कर खाये जाने वाली दवाई है। बिना चूरा किए या बिना चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई गले में अटक सकती है

★ चोकिंग (गले में दवाई का अटक जाना) दवाई का दुष्प्रभाव नहीं होता है

★ अगर गोली का टुकड़ा गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएं और उसकी पीठ को हल्के से थपथपाएं जिससे कि गोली बाहर निकल जाए

★ किसी भी चिकित्सकीय सहायता के लिए 104 टोल फ्री नंबर पर फोन करें

★ किसी भी प्रतिकूल घटना में एम्बुलेंस की सहायता हेतु 108 नंबर पर फोन करें

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन | स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़ें सब बढ़ें | RKSK | evidence action